वार्तालाप-585, राउरकेला-1, दिनांक 16.06.08
Disc.CD No.585, dated 16.06.08 at Rourkela-1
Extracts-Part-1

समयः 04.55-06.22

जिज्ञासुः संगमयुग में जो बाप आकरके शास्त्रों का क्लेरिफिकेशन देते हैं वो शास्त्रकार जब खुद वो शास्त्र लिखता है तो क्या वो अर्थ को जानता है?

बाबाः इतने कवि हुए हैं जिन्होंने कविताएं की हैं, कविता करते समय उन अर्थों का उनको पता नहीं है। उन कविताओं का अर्थ अब निकल रहा है। कितने फिल्मी गीत हैं, फिल्मी गीत बनाने वालों ने गीत बनाए, उनके अर्थ को उन्होंने नहीं समझा। और वो ही फिल्मी गीत अब बाप आकरके क्लीयर कर रहे हैं तो कितना क्लीयर होते हैं। तो सात्विक स्टेज में बनाने वाला भी और बनवाने वाला भी कौन है? बाप ही बनवाय रहा है। जहाँ-जहाँ सत्य है, वहाँ-वहाँ बाप है। जहाँ-जहाँ असत्य है वहाँ-वहाँ रावण है, माया है। बाप ही आकरके सत्य क्लीयर करके बताते हैं। रावण झुठलाय देता है। बाप सत्य बताकर सतयुग की स्थापना करते हैं। रावण झूठ बात बता करके रावण राज्य की स्थापना कर देते हैं।

Time: 04.55-06.22

Student: The Father gives the clarification of the scriptures in the Confluence Age when He comes [but] when the writer writes those scriptures himself, does he know the meaning?

Baba: There have been so many poets, who have written poems, they didn't know the meaning of the poems when they wrote them. The meanings of those poems are emerging (becoming clear) now. There are so many film songs; the composers of those film songs composed the songs; they did not understand their meaning. And the Father is clarifying the same film songs now after coming so they become so *clear*. So, who is the writer [of the poems and film songs] and [who] is the one who has them written in the pure stage? The Father Himself is having them prepared. Wherever there is truth, there is the Father. Wherever there is falsehood, there is Ravan, there is Maya. The Father Himself comes and makes the truth *clear*. Ravan falsifies it. The Father tells says the truth and establishes the Golden Age. Ravan speaks lies and establishes the kingdom of Ravan.

समयः 06.26-08.56

जिज्ञासुः कोर्स के चित्र में दिया है कि बेहद के उत्तरी ध्रुव और बेहद के दक्षिणी ध्रुव जब पिघलते हैं...

बाबाः ध्रुव नहीं पिघलते हैं। उनपर जमी हुई जो बरफ है, बरफ के जो मीलों ऊँचे पहाड़ हैं वो पिघलते हैं।

जिज्ञासुः बेहद में कौन?

बाबाः पृथ्वी है। पृथ्वी का जो हिस्सा सूर्य की पहुँच से दूर है। वहाँ पर हमेशा, सदैव सर्दी पड़ती है। वो है उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव। जहाँ तिरछी किरणें पड़ती है सूर्य की। इसलिए तिरछी किरणें पड़ने के कारण वहाँ सदैव बर्फ जमी रहती है। बरफ का जाम होना अर्थात् बुद्धि जाम हो गई। जैसे हिमालय को दिखाते हैं पार्वती के पिता हिमालय राज। और हिमालय की

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

पुत्री पार्वती। वो कोई दूसरी नहीं है। ब्रह्मा का ही रूप दिखाया है। ब्रह्मा ही हिमालय राज है। हिमवान है। बुद्धि जाम है। बुद्धि चलती नहीं है। परमात्मा शिव भले अच्छे-अच्छे प्वाइंट्स उनके मुख से सुनाते हैं परंतु उनकी बुद्धि जाम होने के कारण बरफ की तरह जमी हुई है। वो बरफ के बड़े-बड़े पहाड़ लास्ट में जब सूर्य बहुत तपेगा तो पिघलेंगे।

Time: 06.25-08.56

Student: It is said in [the explanation of] the pictures in course that when the North Pole and the South Pole melt in an unlimited sense...

Baba: The Poles do not melt. The ice frozen on the Poles, the mountains of ice that are miles high, melt.

Student: Who are they in an unlimited sense?

Baba: There is Earth, the part of Earth which is far from the reach of Sun, winter is always experienced there. That is the North Pole and the South Pole where the Sun's inclined rays fall. This is why, because of the inclined rays, the ice is always frozen there. Frozen ice means the intellect has frozen. For example Himalaya, the father of Parvati, Himalaya *raj* (king) is shown and Himalaya's daughter is Parvati. It is not someone else. Brahma's form itself has been shown. Brahma himself is Himalaya *raaj*, he is *himvaan*. His intellect is frozen. His intellect does not work. Although the Supreme Soul Shiva narrates nice *points* through his mouth, his intellect is frozen like ice. Those big mountains of ice will melt in the end when the Sun will burn hot.

जिज्ञासुः तो उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव ब्रह्मा की तरफ इशारा है।

बाबाः हाँ, जी। वास्तव में ये ब्रह्मा तुम्हारी जगदम्बा है। परन्तु तन पुरुष का होने के कारण जगदम्बा अभी कह नहीं सकते। वो जगदम्बा माँ के चोले में जब प्रवेश करती है यही आत्मा तभी जगदम्बा के रूप में प्रत्यक्ष होती है। बुद्धि जाम है।

जिज्ञासुः जब निर्संकल्पी स्टेज होता है तब बुद्धि जाम हो जाती है।

बाबाः बुद्धि जाम नहीं हो जाती बुद्धि तीक्ष्ण हो जाती है। निर्संकल्पी स्टेज में अगर चाहें तो उस स्टेज में टिक करके अनेकों आत्माओं के अंदर की बात को पता लग सकता है।

Student: So, the North Pole and the South Pole are hints for Brahma.

Baba: Yes. (It is said in the murli :) Actually, this Brahma is your Jagadamba. But because of having a male body, he cannot be called Jagadamba now. When the same soul enters the body of mother Jagadamba, it is revealed in the form of Jagadamba. The intellect is frozen.

Student: The intellect freezes when there is a thoughtless stage.

Baba: The intellect does not freeze, the intellect becomes fast. If you wish, you can become stable in that thoughtless stage and know the inner thoughts of many souls.

समयः 11.20-12.13

जिज्ञासुः बाबा प्रजापिता को कमल का फूल बताया गया है। कमल के फूल में भी वैरायटी है। कोई पिंक कमल, कोई नील कमल, कोई श्वेत कमल। तो वो भी अलग-अलग है। तो इसमें कौनसा प्रजापिता का पार्ट है?

बाबाः इस्लाम धरम को कौनसा कमल कहेंगे? हँ? कौनसा कमल कहेंगे? (जिज्ञासु- नील) फिर? जिसमें विषैला रंग भरा हुआ है वो इस्लाम धरम है। इस्लाम धर्म का पिता वो भी तो प्रजापिता है अपने धर्म का।

दूसरा जिज्ञासुः लाल रंग।

बाबाः क्रोध किसमें है? (जिज्ञासु- सन्यासी में) जब क्रोध आता है तो लाल चेहरा हो जाता है? (जिज्ञासु - क्रिश्चियन धर्म) हँ? हाँ।

Time: 11.20-12.13

Student: Baba, Prajapita has been described as the lotus flower. [But] there is a variety in lotus flowers as well. Some are pink lotuses, some are blue lotuses, and some are white lotuses. So, they are also different. So, among them which one is called Prajapita?

Baba: Which lotus will Islam be called? Which lotus will it be called? (Student: Blue.) Then? The one which is filled with poisonous colour is Islam. The father of Islam is also a Prajapita in his religion, [isn't he?]

Second student: Red.

Baba: Who is filled with anger? (Student: *Sanyasis*.) When they (i.e. the angry ones) become angry, their face turns red. (Student: Christian religion.) Yes.

समयः 12.15-13.15

जिज्ञासुः बाबा, किसी आत्मा का प्रश्न था कि प्रजापिता के 84 जन्म का पार्ट खुल चुका है?

बाबाः हँ? 84 जन्मों का पार्ट खुल चुका होगा तो प्रत्यक्षता नहीं हो जाएगी?

जिज्ञासुः बाबा उसमें से 21 जन्मों का पार्ट खुल चुका है अगर कहा जाए।

बाबाः 21 जन्मों का भी पार्ट खुल जाए तो 21 जन्मों के आधार पर 63 जन्मों का भी खुल जाएगा। 21 जन्मों का ही तो मुख्य पुरुषार्थ है।

जिज्ञासुः बाबा, 21 जन्म में तो सतयुग में तो जो 9 जन्म होते हैं वो तो नारायण के रूप में ही मिलेगा?

बाबाः नारायण के रूप में, हर जन्म में नारायण ही बना रहेगा? हँ? (**जिज्ञासुः** नहीं।) फिर?

जिज्ञासुः और उसका तो बाबा हिस्ट्री भी नहीं है।

बाबाः किसकी?

जिज्ञासुः सतयुग और त्रेतायुग की।

बाबाः सतयुग और त्रेतायुग की हिस्ट्री अगर बनाए दी जाए... तो फिर दुःख कहाँ से आवेगा?

जिज्ञासुः प्रूफ और प्रमाण अगर बाबा मिलेगा तो द्वापर और कलियुग...

बाबा: दुःख की हिस्ट्री होती है कि सुख की हिस्ट्री होती है? दिन कब गिनता है आदमी? दुःख में गिनता है या सुख में गिनता है? दुःख में दिन गिने जाते हैं, जब दिन गिने जाते हैं तो हिस्ट्री बनती है।

Time: 12.15-13.15

Student: Baba, a soul had asked a question: have the parts of 84 births of Prajapita been revealed?

Baba: If the parts of his 84 births are revealed, will the revelation not take place?

Student: Baba, if we say that the parts of 21 births among them have been revealed...

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Even if the parts of 21 births are revealed then the parts of 63 births will also be revealed on the basis of those 21 births. The main *purusharth*[1] is for the 21 births itself.
Student: Baba, out of the 21 births, he will have 9 births in the Golden Age as Narayan only.
Baba: Will he remain as Narayan in every birth? Hum? (Student: No.) Then?
Student: And Baba its history is not available either.
Baba: Of what?
Student: Of the Golden Age and the Silver Age.
Baba: If the *history* of Golden Age and Silver Age is prepared,… how will sorrow come (there)?
Student: Baba, if we get poof and evidence, then in the Copper Age and the Iron Age ...
Baba: Is there the *history* of sorrow or the *history* of happiness? When does a man count days? Does he count days in sorrow or does he count days in happiness? Days are counted in sorrow, when days are counted *history* is made.

Extracts-Part-2

समयः 13.30-14.39
जिज्ञासुः जब प्रजापिता वाली आत्मा नर से नारायण बन जाता है, तो बाप समान स्टेज सम्पूर्ण प्राप्त कर लेता है। तो उस समय चित्र उनको निराकारी स्टेज नहीं दिखाया गया है।
बाबाः क्यों?
जिज्ञासुः शंकर को जैसे निराकारी स्टेज दिखाया गया है।
बाबाः उसमें कोई शिव है क्या नारायण में?
जिज्ञासुः नहीं।
बाबाः फिर?
जिज्ञासुः लेकिन वो तो शिव का साकार स्वरूप बन गया ना।
बाबाः शिव का साकार स्वरूप शंकर का सम्पन्न रूप है।
जिज्ञासुः नारायण नहीं।
बाबाः नहीं। बोला है सबसे अच्छा पुरुषार्थ है नारायण को याद करना क्योंकि नर का जो लक्ष्य है वो संपन्न स्टेज का लक्ष्य स्वरूप है नारायण। बाकी उसमें कोई शिव थोड़े ही है। नारायण तो विष्णु का रूप है। विष्णु तो सतोप्रधान है। सतोप्रधान में शिव थोड़े ही वास करेगा।
Time: 13.30-14.39
Student: When the soul of Prajapita becomes Narayan from *Nar* (man), it attains the *stage* equal to the Father completely. So, he is not shown with an incorporeal stage at that time in the picture.
Baba: Why?
Student: Like Shankar has been shown in an incorporeal stage.
Baba: Is Shiva present in Narayan?
Student: No.
Baba: Then?
Student: But he became a corporeal form of Shiva, didn't he?
Baba: The corporeal form of Shiva is the perfect form of Shankar.

[1] Spiritual effort

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Not Narayan?
Baba: No. It has been said that the best *purusharth* is to remember Narayan because the goal of a man, the goal of perfect stage is the form of Narayan. But Shiva is not present in him. Narayan is the form of Vishnu. Vishnu is *satopradhan*. Shiva will not reside in a pure one.

समयः 14.41-17.42

जिज्ञासुः बाबा मुरली के क्लेरिफिकेशन में बताया गया कि प्रजापिता का जो पार्ट है 63 जन्म में वो संघर्षमय पार्ट है, उसका सुख का पार्ट नहीं है।

बाबाः और संगमयुग में कैसा पार्ट होगा?

जिज्ञासुः वो ही। संघर्षमय होगा।

बाबाः जो संगमयुग में होगा वो ही 63 जन्म में दिखाई पड़ेगा।

जिज्ञासुः कृष्ण वाली आत्मा का सुखमय पार्ट है।

बाबाः बच्चा है ना।

जिज्ञासुः तो उसमें से एक पार्ट अगर गिना जाए तो संघर्षमय मतलब रावण राज्य से संघर्ष। सत्य और असत्य की संघर्ष। तो उसमें से एक पार्ट आता है जो टीपू सुल्तान और हैदर अली के बारे में। तो इसमें से प्रजापिता का पार्ट हम किसका माना जाए?

बाबाः ये तुमने कैसे मान लिया कि हैदर अली का पार्ट प्रजापिता का है, टीपू सुल्तान कोई बच्चे का है?

जिज्ञासुः नहीं बाबा, मुरली के क्लेरिफिकेशन में आया कि वीरता में वो नाम कमाता है।

Time: 14.41-17.42
Student: Baba, it has been said in the clarification of a murli that Prajapita's part in 63 births is a part full of struggles (*sangharshmay*); he does not play a part (full) of happiness.
Baba: And what kind of a *part* will he have in the Confluence Age?
Student: The same; it will be full of struggles.
Baba: Whatever happens in the Confluence Age, the same will be visible in 63 births.
Student: The soul of Krishna plays a part full of happiness.
Baba: He is a child, isn't he?
Student: So, if we count one of those parts, then 'full of struggles' means struggle against the kingdom of Ravan. The struggle of truth with falsehood. So, one of those parts is related to Tipu Sultan and Hyder Ali. So, which of these parts should be considered as Prajapita's?
Baba: How did you accept that Hyder Ali's part is of Prajapita and the part of Tipu Sultan is of a child?
Student: No Baba, it was said in the clarification of a murli that he earns fame in bravery.

बाबाः वीरता में बहुत से राजाओं ने नाम कमाया है। हैदर अली, टीपू सुल्तान ने ही कमाया है?

जिज्ञासुः परन्तु शुरुआत तो बाबा उससे ही होती है।

बाबाः किससे?

जिज्ञासुः प्रजापिता वाली आत्मा से।

बाबाः प्रजापिता से हैदर अली का राज्य शुरु होता है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः नहीं, नहीं। जो पार्ट वो बजाते हैं, जब जिस धर्म में वो जाते हैं राजाई की स्थापना के लिए तो उस धर्म में जब वो जाते हैं तब उसका तमोप्रधान अवस्था आ जाती है।

बाबाः तमोप्रधान अवस्था आ जाती है तो?

जिज्ञासुः धर्म में जब वो चले जाते हैं। उसी धर्म में उनका भी वो विनाश हो जाता है।

बाबाः किनका?

जिज्ञासुः वो धर्म जब तमोप्रधान अवस्था में आ जाती है तो उस धर्म का राजाई विनाश को पा जाता है।

बाबाः ठीक है।

Baba: Many kings have earned fame in bravery. Are Hyder Ali, Tipu Sultan the only ones to have earned it?
Student: But Baba it is he who begins it?
Baba: Who?
Student: The soul of Prajapita.
Baba: Does Prajapita start the rule of Hyder Ali?
Student: No, no. The *part* that he plays, to whichever religion he goes to establish the kingship, when he goes to that religion, it (the religion) reaches the *tamopradhan* stage.
Baba: It reaches the *tamopradhan* stage; so?
Student: When he goes to a religion. He too is destroyed in that religion .
Baba: Who?
Student: When that religion reaches the *tamopradhan* stage, then the kingship of that religion is destroyed.
Baba: Alright.

जिज्ञासुः तो टीपू सुल्तान के बाद जो राजाएं हुए बाबा उनका राजाई चला नहीं। फिर बहादुरशाह एक बचे थे जहाँ से मुगल साम्राज्य खत्म हो गया।

बाबाः टीपू सुल्तान से मुगल साम्राज्य नहीं खतम होता है।

जिज्ञासुः बहादुरशाह से।

बाबाः हाँ जी। बहादुरशाह जफर से समाप्त होता है। अथवा यूं कहें कि जबसे बहादुर शाह रंगीला आया तबसे ही पतन हो गया। पूरा पतन तब हो गया। वो राग रंग में ही लगा रहा। राजकाज देखना छोड़ दिया।

जिज्ञासुः तो वो पार्ट किसका है?

बाबाः अभी भी ऐसे ही है। जो ईश्वरीय सेवा की जिम्मेवारियाँ छोड़ देते हैं। अपने ही राग रंग में लगे रहते हैं समझो उनकी राजाई नष्ट हो रही है, चौपट हो रही है।

जिज्ञासुः बाबा क्लेरिफिकेशन में आया है जो स्थापना करता है, वो पालना का भी निमित्त बनता है।

बाबाः बिल्कुल। स्थापना करेगा तो उसका फल नहीं लेगा?

Student: So, Baba, the kings who succeeded Tipu Sultan were not able to rule for long time. Then Bahadur Shah Zafar alone was left. The Mughal Empire ended with him.
Baba: The Mughal Empire does not end with Tipu Sultan.
Student: It ends with Bahadurshah.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes. It ends with Bahadurshah Zafar . Or you could say that ever since Bahadur Shah Rangeela came, the downfall began. The complete downfall took place at that time because he remained busy in seeking pleasures. He neglected duties of kingship.
Student: So, who plays that part?
Baba: / It is applicable to this time too. Those who leave the responsibilities of kingship, [and] remain engaged in seeking pleasures, think that their kingship is being destroyed, it is ruining.
Student: Baba, it has been said in the clarification that the one who establishes (something) becomes instrument for its sustenance as well.
Baba: Definitely. If someone establishes (something), will he not enjoy its fruits ?

जिज्ञासुः तो बाबा जब वो तमोप्रधान हो जाता है तो उसकी जो जरूरत नहीं है तो उसका विनाश भी वो कर देता है?

बाबाः कौन?

जिज्ञासुः जो पार्टधारी है।

बाबाः आत्मा ही तीनों कार्य करती है। ब्रह्मा का कार्य भी करती है, शंकर का कार्य भी करती है और विष्णु का भी कार्य करती है। हर आत्मा का ये तीन कार्य है। स्थापना, विनाश और पालना। इसमें कोई नई बात नहीं है।

Student: So, Baba when it (religion) becomes *tamopradhan*, when there is no need of it, he destroys it as well?
Baba: Who?
Student: The actor.
Baba: The soul itself performs all the three tasks. It performs the task of Brahma, the task of Shankar as well as the task of Vishnu. Every soul performs these three tasks. Establishment, destruction and sustenance. There is nothing new in this….. (to be continued)

Extracts-Part-3

समयः 17.47-19.35

जिज्ञासुः एक कैसट में बाबा ने बोला है कि ज्ञान लेते रहते हैं लेकिन भक्ति में डूबे रहते हैं।

बाबाः माना दुगाडे में पड़े हुए हैं। बुद्धि दोले में पड़ी हुई है। क्या सत्य है, क्या असत्य है, ये फैसला नहीं कर पाया। यहाँ भी ऐसे होते हैं। ज्ञान में भी चलते रहते हैं, मन्दिरों में जाके भक्ति भी करते रहते, तीर्थ यात्राएं भी करते रहते।

जिज्ञासुः लेकिन जैसे बता दिया कि नम्बरवार सब भक्तियाँ हैं। तुम सब भक्तियाँ हो।

बाबाः हाँ तो ज्ञान में सम्पूर्ण कौन बना है?

जिज्ञासुः एक ही बनता है।

बाबाः अभी बना है?

जिज्ञासुः एक ही बनता है।

बाबाः नहीं, बनता है तब बनता है। लेकिन अभी बना है?

जिज्ञासुः प्रजापिता वाली आत्मा तो बोलेंगे ना सम्पूर्ण ज्ञानी।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः सम्पूर्ण ज्ञानी? अगर सम्पूर्ण ज्ञानी हो जाए तो नारायण कही जावेगी, नारायण बन जाएगी या सम्पूर्ण ब्राह्मण सो सम्पूर्ण देवता बन जाएगा या अधूरेपन में रहेगा?

जिज्ञासुः सम्पूर्ण बन जाएगा, तब बनेगा।

Time: 17.47-19.35

Student: Baba has said in a cassette that children keep obtaining knowledge but at the same time they remain immersed in *bhakti*.

Baba: It means that they are in confusion. The intellect is in confusion. They were unable to decide what the truth is and what is false. There are such ones here too. They keep following the knowledge, they do *bhakti* by going to temples as well as go for journey to pilgrimages, simultaneously.

Student: But, it has been said that all of are *bhaktiyaan* (female devotees) *number wise.*[2] You all are *bhaktiyaan.*

Baba: Yes; so, who has become perfect knowledgeable now?

Student: Only one becomes [perfect knowledgeable].

Baba: Has he become now?

Student: Only one becomes, doesn't he?

Baba: No, he becomes whenever he is supposed to become. But has he become that now?

Student: The soul of Prajapita will be called a completely knowledgeable, won't he?

Baba: Completely knowledgeable? If he becomes completely knowledgeable one, will he be called Narayan, will he become Narayan, will he transform from a complete Brahmin to a complete deity or will he remain incomplete?

Student: He will become [Narayan] when he becomes perfect.

बाबाः हाँ। इसलिए कुछ न कुछ, कुछ न कुछ भक्ति सबमें समाई है। कोई न कोई प्वाइंट ऐसा प्रजापिता के लिए भी लागू होता है जिससे वो पत्थरबुद्धि लिंग बना पड़ा है। और उस लिंग में शिव का प्रवेश है।

जिज्ञासुः और बोला है कि देहधारियों की भक्ति में रहते हैं तो वो आत्मा क्या देहधारी की भक्ति में भी रहता है?

बाबाः भक्ति कोई जरूरी थोड़े ही है कि सिर्फ देहधारियों की होती है? पत्थर की नहीं होती?

जिज्ञासु: होती है। फिर?

जिज्ञासुः बाबा कौनसा प्वाइंट है जिससे प्रजापिता वाली आत्मा पत्थर बन जाती है?

बाबाः हर बात बतानी जरूरी होती है क्या? अभी सारा प्वाइंट बता दें तो आगे चलके क्या बतावेंगे?

जिज्ञासुः इसका बहुत चिंतन चला था पर हल नहीं मिल रहा है।

बाबाः हल निकालो। हल निकालो।☺

Baba: Yes. This is why, there is *bhakti* in everyone to some extent. There is also some *point* applicable for Prajapita due to which he has become a *ling* with intellect. And Shiva has entered that *ling*.

Student: And it has been said that *bhakti* of bodily beings is performed. So, does that soul (the soul of Prajapita) perform *bhakti* of bodily beings as well?

---

[2] According to the percentage of *bhakti* they have in them

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Is it not necessary that *bhakti* is performed only of bodily beings. Isn't *bhakti* of stone performed? (Student: It happens.) Then?
Student: Baba, which is the *point* which makes the soul of Prajapita the one with a stone-like intellect?
Baba: Is it necessary to reveal everything? If all the points are revealed now, what will be revealed in the future?
Student: I thought a lot on this topic, but did not get any solution. Everything is seen in knowledge.
Baba: Find the solution.

समयः 19.40-23.40

जिज्ञासुः बाबा जो भाई-बहन पहले से ये समझ रखे हैं कि यही शिव की आत्मा, यही राम है। वो लोग समझने लग गए कि... आपका महावाक्य से उनको समझाते है...कि वो एक होते तो 63 जन्म में बहुत सारे काम कर नहीं पाते। कर नहीं पाया। जब शिव सुप्रीम सोल प्रवेश किया तो वो आत्मा...

बाबाः राम कृष्ण की आत्माएं कुछ कर दिखाती हैं।

जिज्ञासुः दिखाती हैं। वो बोले, वो फिर क्वेशचन करते है कि, देखिये बाबा तो बोलते हैं, सब आत्माओं में पार्ट नूंध हुआ है पहले से। जैसे रिकार्ड चलता है वैसे इमर्ज होता है। उनका भी वैसे इमर्ज होता है जिस टाइम ...।

बाबाः हांजी। पूछना क्या चाहते हो?

जिज्ञासुः वो ऐसे बोले थे कि शिव वही है। राम वाली आत्मा वही है। सब वो ही है।

बाबाः कृष्ण वाली आत्मा भी वो ही है, राम वाली आत्मा भी वो ही है। कृष्ण वाली आत्मा ने 63 जन्मों में सहन शक्ति का पार्ट ऐसा क्यों नहीं बजा दिया? राम वाली आत्मा ने 63 जन्मों में इतना सामना करने का पार्ट क्यों नहीं बजाया?

Time: 19.40-23.40
Student: Baba, the brothers and sisters who think that the soul of Shiva and the [soul of] Ram are one and the same. They started to think that… when we explain your great versions to them…had they been one, they could have performed many tasks in the 63 births; [but] they were unable to do so. When the Supreme Soul Shiv entered [in the body of] that soul (the soul of Ram)...
Baba: The souls of Ram and Krishna do something.
Student: They do. They said; then they question: Look, Baba says, the part is already recorded in every soul. Just as the record plays, it (part) emerges. Similarly, it emerges in him too at the time...
Baba: Yes. What do you want to ask?
Student: They said that the souls of Shiva and Ram are the same. He himself is everything.
Baba: The soul of Krishna as well as the soul of Ram is the same. Why didn't the soul of Krishna play such part of tolerance in the 63 births? Why didn't the soul of Ram play the part of confrontation to such an extent in the 63 births?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः राम वाली आत्मा शिव वही है।

बाबाः शिव कहाँ है? अगर राम वाली आत्मा वो ही शिव होती 63 जन्म में, आत्मा ही सो परमात्मा होता तो फिर इस जन्म में परिवर्तन कैसे कर रहा है। फिर तो पिछले जन्म में ही परिवर्तन कर देता।

जिज्ञासुः तो बोलते हैं ज्ञान कैसे उनके अन्दर इमर्ज होते हैं।

बाबाः ये रांग ज्ञान है कि शिव नहीं है। जो राम वाली आत्मा है वही शिव है।

जिज्ञासुः उनको तो बोला गया। वो ये ही बोलते हैं कि आप जो बोलते हैं .....उनका जो पार्ट है जब इमर्ज होता है, रेकार्ड चलता है...

बाबाः इमर्ज नहीं होता। ऐसे नहीं राम वाली आत्मा में शिव मर्ज था। नहीं। शिव परमधाम का वासी है। राम वाली आत्मा इस दुनिया की वासी है। मर्ज होने का सवाल ही नहीं।

जिज्ञासुः वो ही तो, ज्ञान में उन लोगों को बता दिया कि देखो ज्ञान वो देते हैं। ज्ञान उनका है तो वो जब आते हैं सब बताते हैं। रिकार्ड नूँध है। जब रिकार्ड चलता है उसी हिसाब से निकलता है।

Student: The soul of Ram and Shiva is the same.
Baba: How is he Shiva? If the soul of Ram itself would have been Shiva in 63 births, if the soul would have been the Supreme Soul, then how is he transforming [the world] in this birth? [If it was like that] he could have transformed [the world] in the past birth itself.
Student: So, they ask: when the knowledge emerges in him (i.e. the soul of Ram)...
Baba: This is *wrong* knowledge that Shiva does not exist and that the soul of Ram himself is Shiva.
Student: No. They were told that. They say only this, they answer: What you say is... when his part emerges, the record is played...
Baba: It does not emerge. It is not that Shiva was merged in the soul of Ram. No. Shiva is the resident of the Supreme Abode. The soul of Ram is a resident of this world. There is no question of merging at all.
Student: Exactly, we told them: Look, He (the Supreme Soul) gives the knowledge. It is His knowledge; so, when He comes He explains everything. It is indeed recorded. When the record is played, it comes out accordingly.

बाबाः ज्ञान कौन देते हैं?

जिज्ञासुः एक ही मान लेते है इसलिए वो ऐसे बोलते हैं।.........

बाबाः ज्ञान देने वाला तो ऊपर वाला है। वो ऊपर से नीचे आता है फिर ज्ञान देता है। नीचे वाले तो अज्ञानी हैं। राम-कृष्ण दोनों अज्ञानी हैं। बहुत घातक ज्ञान है ये कि राम की आत्मा ही शिव है। पहले शिव मर्ज रूप में होते है बाद में इमर्ज हो जाता है।

जिज्ञासुः वो लोग बोलते हैं जब रिकार्ड चलता है। जिस हिसाब से शूटिंग होता है वो ही इमर्ज होता है।

दूसरा जिज्ञासुः कोई आत्माओं को जितना समझाएं समझता नहीं। अपनी बात पर अडिग रहते हैं।

बाबाः तो आगे चलके समझ जाएंगे। हम उनके पीछे क्यों पड़ें?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः माना, पीछे तो पड़ने का नहीं है।

बाबाः छोड़ दो। जो सहज मिले सो दूध सम, जो सहज-सहज समझाने से समझ जाए वो हमारे कुल का और जो नहीं समझता है, घिस-घिस करता है वो पता नहीं दूसरे कुल का है। अभी समझ भी जाएगा। आगे चल के हमारा विरोध कर देगा। हमको धोखा दे देगा। उससे क्या फायदा? हम उसके पीछे क्यों पड़ें?

Baba: Who gives the knowledge?
Student: They say so because they believe them (the soul of Ram and Shiva) to be the one.....
Baba: The giver of the knowledge is the One [who resides] above. He comes down from above and then He gives knowledge. The ones [who reside] below are ignorant. Both Ram and Krishna are ignorant. It is a very destructive knowledge [to think] that the soul of Ram itself is Shiva. That earlier, Shiva is in a merged form; later on He emerges.
Student: They say: When the record is played. It emerges as per the shooting.
Second student: Some souls do not understand, however much they are explained. They remain firm on their word.
Baba: They will understand in the future. Why should we chase them?
Student: Meaning, we should certainly not chase them.
Baba: Leave them. Whatever you get easily is like milk. Those who understand easily on being explained belong to our clan, and the one who does not understand, the one who argues, we don't know whether he belongs to some other clan. Even if he understands now, he will oppose us in future. He will deceit us. What is its use? Why should we chase him?

Extracts-Part-4

समयः 23.42-25.02

जिज्ञासुः आदम के साथ पार्ट बजाने वाली जो ईव है उसके लिए कोई-कोई कैसटों में, क्लेरिफिकेशन में ऐसा पता चलता है कि वैष्णो देवी के लिए लागू होता है। और कहीं जगदम्बा के लिए लागू होता है।

बाबाः जगदम्बा है वाचा से। और वैष्णवी है कर्मणा से। कोई वाचा से ज्ञान सुनाते हैं। ज्ञानी कहे जाते हैं। कोई वाचा से नहीं सुनाते हैं लेकिन कर्म ऐसे करके दिखाते हैं कि ज्ञान साबित हो जाता है। दोनों ही जब मेल होगा, तभी महालक्ष्मी कही जाती है। तब ही संपन्न बनेंगे नहीं। तो संपन्न नहीं कहे जावेंगे। ऐडी और चोटी मिलती है तब ही संगम कहा जाता है।

जिज्ञासुः तो विदेशी लोग जगदम्बा को ईव का दर्जा देते होंगे।

बाबाः विदेशी लोग जो हैं वो किससे कनेक्टेड हैं? व्यभिचार से कनेक्टेड हैं या अव्यभिचार से कनेक्टेड हैं? (जिज्ञासु - व्यभिचार से) जगदम्बा है सारे जगत की अम्बा। इस्लामियों की भी अम्बा है, क्रिश्चियन्स की भी अम्बा है, शूद्रों की भी अम्बा है। लक्ष्मी को ऐसे नहीं कहेंगे।

Time: 23.42-25.02
Student: We come to know from the clarifications in some cassettes, that the role of Eve who plays the part with Adam is applicable to Vaishno Devi. And sometimes it is applicable to Jagdamba.
Baba: Jagdamba is (Eve) through speech. And Vaishnavi is (Eve) through actions. Some narrate knowledge through speech. They are called knowledgeable ones. Some do not narrate

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

through speech, but they perform such actions that the knowledge in them is proved by it. When the combination of both takes place, they are called Mahalakshmi. It is then that they will become perfect. Otherwise, they will not be called perfect. Only when the heel (*edi*) and the head (*choti*) meet, it is called the Confluence.
Student: So, the foreigners must be giving the status of Eve to Jagdamba.
Baba: The foreigners are *connected* with whom? Are they *connected* with adultery or with faithfulness? (Student: With adultery.) Jagdamba is the mother of the entire world. She is the mother of the people of Islam, the mother of Christians as well as she is the mother of *Shudras*[3] . That will not be said for Lakshmi.

समयः 25.05-26.00

जिज्ञासुः बाबा, संगमयुगी राधे जिनके लिए गायन है कि जनम-जनम की तात हमारी वरूं शंभु न तो रहूँ कंवारी। ऐसे सतयुगी राधे या ओम राधे जो है उनका दादा लेखराज के साथ ऐसा होगा?

बाबाः बिल्कुल होगा। जब अव्वल नंबर पार्टधारी हीरो है, उसके बाद नंबर हीरोइन का है। तो उसको जो संगी-साथी मिलेंगे वो बढ़िया मिलेंगे या घटिया मिलेंगे? बढ़िया ही मिलेंगे। विष्णु की जो चार भुजाएं हैं, उन चार भुजाओं में आगे राधे का नंबर है या नहीं है? हां।

Time: 25.05-26.00
Student: Baba, there is the saying for the Confluence Age Radhey, *Janam-janam ki taat hamaari, varoun Shambhu na to rahun kuwari*[4]. Will it be the same in case of the Golden Age Radhey or Om Radhey with Dada Lekhraj?
Baba: Definitely. When the *number* one actor is *hero* and after him there is the *number* is of the *heroine*, so the companions that he gets, will they also be good or bad? He will certainly get good (companions). Does Om Radhey have a *number* (included) among the four arms of Vishnu or not? Yes, [she does have.]

समयः 26.10-26.55

जिज्ञासुः जो पतियों से सेवा के लिए पैसा लेता हैं ।

बाबाः कौन?

जिज्ञासुः माताएं।

बाबाः माताएं बच्चियों से पैसा लेती हैं?

जिज्ञासुः पतियों से।

बाबा: पतियों से?

जिज्ञासु: तो ये क्या मांगना हुआ?

बाबाः मांगने की भी क्या दरकार है? जेब में से निकाल लो। खर्च कर लो। कह दो हमने खर्च कर दिया। आधा हिस्सा हमारा भी तो है। अर्धांगिनी कही जाती है ना। मांगने की क्या बात है? अधिकार मांगना कोई मांगना नहीं होता। अधिकार लेना हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है।

---

[3] Untouchable; fourth and lowest division of the Indo-Aryan society
[4] Let this be my pledge for birth after births: either I will wed Shambhu (name of Shankar) or I will remain a virgin.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 26.10-26.55
Student: Those who take money from the husbands for service, will it be considered as begging.
Baba: Who?
Student: Mothers.
Baba: Mothers take money from daughters?
Student: From the husbands.
Baba: From husbands?
Student: Is it begging?
Baba: What is the need to beg? Take it from their pockets. Spend it. Tell them: I have spent it. I too have half share in it. You are called *Ardhaangini* (half partner), aren't you? Where is the need to beg? Asking for your right is not called begging. Taking [our] right is our birth right.

समयः 34.06-35.05

जिज्ञासुः बाबा, मुरली सुनते वक्त मन में आ जाता है एक-एक बार मैं अभी ये प्वाइंट आएगा, ये प्वाइंट बोलेंगे। ये अच्छी बात है कि खराब बात है बाबा?

बाबाः अच्छी बात है। ऐसा भी होगा कि अंत समय में जो बाप के अन्दर संकल्प आयेंगे वही संकल्प हमारे अन्दर आएंगे। उसको कहेंगे सच्चा-सच्चा मनमनाभव। जो बाप के अन्दर संकल्प वो मेरे अन्दर संकल्प। जो बाप के अन्दर वायब्रेशन वो मेरे अन्दर वायब्रेशन। बाबा जो कुछ बोलना चाहते हैं वो बातें पहले ही हमारी बुद्धि में घूमने लगें।

दूसरा जिज्ञासुः वो ही बातें क्लेरिफिकेशन में भी आ जाती हैं।

बाबाः वो ही बातें क्लेरिफिकेशन में भी आने लगें।

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, सब बातें नहीं होती हैं। कुछ-कुछ होती हैं। ऐसा क्यों?

बाबाः हां, हां, तो पूरे-पूरे मनमनाभव नहीं बने हैं अभी।

Time: 34.06-35.05
Student: Baba, while listening to murli, sometimes it comes to the mind that now this *point* will come, He will say this point. Baba, is it good or bad?
Baba: It is good. This will also happen, in the end, the thoughts that come in the Father's mind will come to our mind as well. That will be called *Manmanabhav* in true sense. Whatever thoughts come in the Father's mind should come to my mind. Whatever are the Father's vibrations should be my vibrations. Whatever Baba wants to say should revolve in our intellect in advance.
Second student: The same things come in the clarification as well.
Baba: The same things should start coming in the clarifications as well.
Second student: Baba, that doesn't happen for all points. Some of them come to the mind. Why is it so?
Baba: Yes, yes. So, we have not yet become completely *manmanabhav* (merge in My mind).

समयः 36.15-38.40

जिज्ञासुः बाबा, भक्ति का थोड़ा भी अंश रह जाएगा तो शरीर छोड़ना पड़ेगा। स्थूल में शरीर छोड़ना। बाबा इसका मतलब क्या है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः कोई अंश, कोई निशानी दिखाई क्यों पड़नी चाहिए भक्तिमार्ग की? जब ज्ञान में आ गए तो भक्तिमार्ग मुर्दाबाद होना चाहिए।

जिज्ञासुः बाबा निशानियां क्या हैं?

बाबाः बिन्दी लगाते हैं। निशानी नहीं है? मांग भरते हैं ये निशानी नहीं है? हाथ जोड़ लेते हैं। निशानी नहीं है? पांव पड़ जाते हैं। ये निशानी नहीं है?

दूसरा जिज्ञासुः नहीं तो बाबा लौकिक दुनिया में दिखाने के लिए थोड़ा करना पड़ता है।

बाबाः लौकिक दुनिया भस्म होने वाली है कि जो आने वाली दुनिया बाप दिखा रहे हैं वो भस्म होने वाली है?

जिज्ञासुः अभी तो थोड़ा बन्धन चलता है ना बाबा।

बाबाः बन्धन चलता है? बन्धन में कौन रहेगा? बकरी बंधन में रहेगी कि शेर बन्धन में रहेंगे? शेरनी बन्धन में रहती है क्या? (जिज्ञासु - नहीं) फिर?

Time: 36.15-38.40

Student: Baba, if even a trace of *bhakti* remains in us, we will have to leave the body. Will we leave the body physically... Baba, what does it mean?

Baba: Why should any trace, any indication of the path of *bhakti* be seen? When you have entered the path of knowledge, then the path of *bhakti* should defunct.

Student: Baba, what are the indications?

Baba: *Bindi* is applied. Is it not an indication? They decorate the parting [of hair] with vermilion; is it not an indication? You fold your hands (in reverence); is this not an indication? You touch someone's feet. Is this not an indication?

Second student: No, Baba, we have to do it a little to show to the *lokik* world.

Baba: Is the *lokik* world going to be burnt to ashes or is the forthcoming world, which the Father is showing to us going to be burnt to ashes?

Student: Baba there are some bondages now, aren't there?

Baba: There are bondages? Who will remain in bondage? Will a goat remain in bondage or will lion remain in bondage? Does a lioness remain in bondage? (Student: No.) Then?

जिज्ञासुः जुगल नहीं चलता है तो कैसा करें?

बाबाः जुगल नहीं चलता है। हमारा जुगल है? जुगल, जुगल, जुगल, जुगल, जुगल चिल्लाए बैठे हैं। जुगल है कि भाई? (किसी ने कहा - भाई)

जिज्ञासुः नहीं बाबा, वो ज्ञान में नहीं हैं।

बाबाः नहीं बाबा, नहीं बाबा। एक मुरली में बोला - मुड़ी, तेरा जुगल कहाँ से आया?

जिज्ञासुः मन तो नहीं है बाबा ये सब करने के लिए लेकिन....?

बाबाः दिल है।

जिज्ञासुः दिल नहीं है बाबा। दिखाने के लिए करना पड़ता है।

बाबाः अरे दिखाने के लिए भी क्या करने की दरकार है? जब आत्मा में पावर आ जाएगी तो कुछ भी करने की दरकार नहीं है।

जिज्ञासुः बाबा चूड़ी भी नहीं पहनना है? चूड़ी पहनना है कि नहीं?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः कौन मना कर रहा है भक्ति करने के लिए? चूड़ी क्या तुम चूड़ा पहनो। बाबा कभी भक्ति करने के लिए मना करते हैं? बिल्कुल नहीं। भक्ति जब तुम्हारी पूरी होगी तो अपने आप ज्ञान आ जाएगा। भक्ति छूट जावेगी। आत्मा में पावर आ जाएगी मुकाबला करने की।
Student: Husband does not follow [the path of knowledge]; what should we do?
Baba: Husband does not follow. Is he your husband, you just shout my husband, husband, husband, husband, husband. Is he your husband or brother? (Someone said: Brother.)
Student: No Baba, he does not follow knowledge.
Baba: No Baba, no Baba. It has been said in a murli: *Mutthi*[5], how do you have a husband?
Student: I do not like doing that Baba but...
Baba: You have a desire.
Student: I don't have the desire to do but I have to do it just to show off.
Baba: *Arey*, what is the need to show-off? When the soul becomes powerful, there will be no need to do anything.
Student: Baba, should we not wear on bangles either? Shouldn't we wear on bangles or not?
Baba: Who is stopping you from doing *bhakti*? Wear bangles or bracelets, whatever you like. Does Baba ever stop anyone from doing *bhakti*? Not at all. When your *bhakti* will be completed, you will automatically get knowledge. You will become free from *bhakti*. The soul will achieve the *power* to confront.

Extracts-Part-5

समयः 40.08-40.50

जिज्ञासुः बाबा अंत में बताया गया जब माया का फुल वार होगा तो उसमें बाहर की प्रकृति भी अपना हिसाब लेगी।

बाबाः बाहर की प्रकृति क्या? जो अंदर की प्रकृति है वो बाहर की प्रकृति है।

जिज्ञासुः हाँ, बाबा। अंदर की जो है, जिसमें कोई अगर कोई विकार इतना जोर से मार करेगी कि बुद्धि भी भ्रष्ट हो जाएगा। कोई जो काम नहीं करना चाहिए वो भी करना शुरु कर देगा।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः तो बाबा इस से कौन बचे रहेंगे? क्या करना चाहिए बचने के लिए?

बाबाः याद में रहेंगे सो बचे रहेंगे। ये भी कोई पूछने की बात रह गई?

जिज्ञासुः वो तो है बाबा, याद तो रहती है परन्तु।

बाबा: परन्तु?

दूसरा जिज्ञासुः कभी-कभी हो जाता है।

बाबाः कभी-कभी फिर याद नहीं रहती है।

जिज्ञासुः बाहर की दुनिया में रहती है तो भटक जाता है।

बाबाः हाँ, हाँ, तो जब याद नहीं रहेगी तभी तो भटकेगी।

---
[5] A word used to scold

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 40.08-40.50
Student: Baba, it was said that in the end when Maya attacks with full force, the external nature also will settle its accounts.
Baba: What is external nature? The inner nature is same as the external nature.
Student: Yes, Baba. The inner (nature); if some vice attacks you with force the intellect will also become corrupt. They will start performing even the tasks which they should not perform.
Baba: Yes.
Student: So, Baba, who will be saved from this? What should we do to remain safe?
Baba: Those who remain in remembrance will remain safe. Is this also something to ask?
Student: Indeed Baba, we do remember but…
Baba: But?
Second student: It happens sometimes.
Baba: Sometimes you don't remember.
Student: When we stay in the outside world, it (the intellect) wanders.
Baba: Yes, yes, it will wander only when you don't remember.

समयः 44.00-44.25
जिज्ञासुः बाबा राज करेगा खालसा, जो महाकाली का पार्ट चलेगा उसी टाइम बाबा का मुरली क्लेरिफिकेशन क्या बंद हो जाएगा?
बाबाः बाबा का काम हो रहा है। काम करने वाली काम कर रही है तो बाबा को वाणी चलाने की क्या दरकार? बिना वाणी चलाए ही काम हो जाए तो कोई मुसीबत है क्या?
Time: 44.00-44.25
Student: Baba *raj karega khalsa*[6], when the part of Mahakali will be played, will Baba's murli clarification stop at that time?
Baba: When Baba's task is being accomplished, when the performer is performing the task, where is the need for Baba to narrate the vani? If the task is accomplished without narrating the vani, is it a problem?

समयः 44.26-45.12
जिज्ञासुः ब्रह्मा के मुख से वेदवाणी निकली। वेद माना जानकारी। तो चार प्रकार के वेद दिखाए हैं।
बाबाः सतोप्रधान, सतोसामान्य, रजो और तमो। दुनिया की हर चीज़ चार अवस्थाओं से पसार होती है तो मुरलियाँ भी चार अवस्थाओं से पसार हुईं।
दूसरा जिज्ञासुः मुरलियाँ बाबा मुरलियों का क्लेरिफिकेशन?
बाबाः क्लेरिफिकेशन भी चार अवस्थाओं से पसार होता है। क्लेरिफिकेशन जितनी ज्यादा आत्माएँ उठाने वाली होंगी उतना उनके अर्थ किये जाएंगे। कम आत्माएं उठाने वाली होंगी तो जरूर सतोप्रधान शुरु-शुरू की आत्माएं होंगी। विस्तार में सार खत्म हो जाता है।
Time: 44.26-45.12
Student: *Vedvani* emerged from the mouth of Brahma. *Veda* means information. So, four kinds of Vedas are shown.

[6] *Khalsa* (pure one) will rule

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: *Satopradhan, satosamanya, rajo* and *tamo*. Everything in the world passes through four stages. So, murlis also passed through four stages.
Second student: Baba, is it murlis or the clarification of murlis?
Baba: *Clarification* also passes through four stages. The more the number of souls to grasp the *clarification*, the more the number of explanation will be given for it. If the number of souls to grasp [the clarification] is less, then definitely they will be the *satopradhan* souls in the beginning. The essence finishes in the expanse.

समयः 45.12-45.12

जिज्ञासुः बेहद का ज्ञान सरोवर कौन?

बाबाः ज्ञान मानसरोवर कौनसा है बेहद का जहाँ से ब्रह्मपुत्रा नदी निकलती है? (किसी ने कहा - कैलाश) कैलाश पर्वत तो है। कैलाश पर्वत कहाँ पर दिखाया गया है? (किसी ने कुछ कहा।) वो कौन हुआ ज्ञान मानसरोवर जहाँ का जल बिल्कुल निर्मल है? जहाँ हंसों का वास होता है? (किसी ने कहा - प्रजापिता) प्रजापिता हुआ।

Time: 45.12-45.32
Student: Who is *Gyan Sarovar* (lake of knowledge) in the unlimited sense?
Baba: Which is the *Gyan Mansarovar* in the unlimited sense from where the river Brahmaputra emerges? (Someone said: Kailash.) It is indeed Mount Kailash; where is Mount Kailash shown? (Someone said something.) So, who is the *Gyan Mansarovar* where the water is absolutely pure, where swans reside? (Someone said: Prajapita.) It is Prajapita.

समयः 55.00-55.10

जिज्ञासुः क्लास में अगर कोई साइन नहीं कर सकता है?

बाबाः तो अंगूठा लगवाओ।

Time: 55.00-55.10
Student: What if someone cannot sign in the class [register]?
Baba: Take a thumb impression.

समयः 55.20-56.28

जिज्ञासुः बाबा, यज्ञ सेवा में कुछ देना चाहते हैं तो संगठन में देना ज्यादा महत्वपूर्ण है या बाबा के हाथ में देना?

बाबाः मुरली में क्या बोला? गुरुओं को देंगे, देहधारी गुरुओं को देंगे, एक जन्म का बनेगा।

जिज्ञासुः नहीं बाबा, धन है।

बाबाः धन हो या कुछ भी हो, बंद कवर करके दो।

जिज्ञासुः तो उसमें ज्यादा प्राप्ति है कि बाप के हाथ में देने से?

बाबाः बंद कवर में बाबा के लिए देंगे? तो जिसको देंगे वो बाबा के पास पहुँचाएगा ना।

Time: 55.20-56.28
Student: Baba, if we wish to give anything for the service of *yagya*, is it more valuable to give it in the *sangathan* (gathering) or to give it in the hands of Baba?
Baba: What has been said in the murli? If you give to gurus, bodily gurus, you will make [attainment] for one birth.
Student: No Baba, in case of money.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Whether it is wealth or anything else, give it in a closed envelope.
Student: So, is there more attainment in it (giving in the *sangathan*) or in giving it in the Father's hands?
Baba: Will you give it in a closed *cover* for Baba? So, whomsoever you give, it will be sent to Baba only, will it not?

जिज्ञासु: चलाने के लिए संगठन में खर्चा।
बाबा: हमारी समझ में क्या खर्चा होता है?
जिज्ञासु: दाल चावल।
बाबा: दाल चावल काहे के लिए? सुबह-सुबह जाते हैं शाम को घर में लौटते हैं। किस बात का खर्चा होता है?
जिज्ञासु: खाना बनाते हैं।
बाबा: खिचड़ी में खर्चा होता है? खिचड़ी में भी खर्चा हो जाता है? जिम्मेवारी वो लोग उठाएं जो कर सकें। जो नहीं कर सकें, जिनको चंदा करने की जरूरत पड़ती है, उन्हें करने की क्या जरूरत है अपने घर में संगठन? कोई जबरदस्ती है क्या? (जिज्ञासु: नहीं।) फिर? जो समर्थ हैं उन्हें करने दो।
Student: Money   for expenditure in the *sangathan* (class).
Baba: I don't understand, what is the expenditure [for *sangathan*]?
Student: Pulses and rice.
Baba: Why are pulses and rice required? You go there early in the morning and return home in the evening. What expenditure takes place?
Student: They cook food.
Baba: Is there any expenditure involved in preparing *khichri*[7]? Is there expenditure involved in preparing *khichri* as well? Those who can bear [the expenses] should take the responsibility. Those who cannot bear the expense and have to collect money, what is the need for them to organize *sangathan* at their home? Is there any compulsion? (Student: No.) Then? Let those who are capable do it (organize *sangathan*).

समयः 56.32-57.20
जिज्ञासु: कोई बच्ची लोग समर्पित होना चाहते हैं तो उसको वहाँ तक पहुंचाने के लिए रेल्वे टिकट के खर्चा से सब देना ये कैसा है?
बाबा: जिसे समर्पित होना होगा वो लंगोट पहन के चला आएगा। तुम्हें क्या चिंता? उसे कोई रोक पाएगा?
जिज्ञासु: नहीं।
बाबा: फिर? धक्का मार के समर्पित करना होता है?
जिज्ञासु: घर में नहीं देते हैं मां-बाप, भट्ठी के लिए जाना चाहते हैं तो सहयोग...
बाबा: माँ-बाप से अपने-आप लड़ाई लड़ेगी। तुम्हारी प्रापर्टी में हमारा भी हक है। हमारा हक हमको दो। नहीं दोगे हम लेके भाग जाएंगे। दादे की प्रापर्टी पर हरेक का हक होता है।

[7] A dish prepared with rice, pulses and water

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 56.32-57.20
Student: If some virgins wish to get surrendered, so, how is it to make expenditure of railway ticket to make her reach there?
Baba: The one who wishes to get surrendered will wear a loin cloth (*langot*) and go there. Why do you have to worry? Can anyone stop him?
Student: No.
Baba: Then? Do you have to surrender someone by pushing?
Student: If parents do not give [money] at home if they wish to go for *bhatti* so, in order to help...
Baba: She will fight with the parents on her own [and say]: 'I also have a share in the *property*. Give me my right. If you do not give it to me, I will run away with my share'. Everyone [in the family] has a right over the grandfather's property.

समयः 57.25-58.30

जिज्ञासुः बाबा, गीता पाठशाला में जो क्लास होता है ना। एक सवेरे होता है, एक शाम को होता है। तो ज्यादातर आत्माएँ शाम को ही आती हैं। सवेरे तो खाली एक दो आते हैं। तो क्या जरूरी है? सवेरे आना जरूरी है या शाम को?

बाबाः आत्मा में जैसी ताकत होगी वैसा ही तो पार्ट बजाएगी।

Time: 57.25-58.30
Student: Baba, classes are organized in the *Gitapathshala*; one is organized in the morning and one in the evening. So, most of the souls come in the evening. Only one or two [souls] come in the morning. So, what is important? Is it important to come in the morning or in the evening?
Baba: A soul will play the part as per its power.

जिज्ञासुः एक-दूसरे को देख के सभी शाम को ही आते हैं।

बाबाः सभी को ही मुसलमान बन जाने दो। क्रिश्चियन बन जाने दो, सातवां दिन क्लास करने दो।

जिज्ञासुः साथ में नहीं होता है बाबा। शाम को जाना पड़ता है। क्या करें?

बाबाः तो जाओ शाम को जाओ। मना कौन कर रहा है?

बाबाः शाम को सूरज ढ़लता है, और सवेरे में सूरज निकलता है।

जिज्ञासुः शाम मतलब तीन बजे क्लास होता हैं।

बाबाः तीन बजे क्लास करने केलिए परमीशन ही नहीं है।

जिज्ञासुः दोपहर।

बाबाः दोपहर को तीन बजे? हाँ तो माताओं के लिए दोपहर का अच्छा रहता है क्लास।

जिज्ञासुः वो ही माताओं के लिए पूछ रहे हैं।

बाबाः माताओं के लिए कहाँ तुमने कहा कि माताओं के लिए पूछ रहे हैं?

Student: Seeing each other, everyone comes in the evening only.
Baba: Let everyone become Muslim, let them become Christians, let them attend the class every seventh day.
Student: Baba, there is nobody to escort me. I have to go in the evening. What should I do?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: So, go in the evening. Who is stopping you?
Baba: The Sun sets in the evening and it rises in the morning.
Student: Evening means the class is organized at three o'clock.
Baba: There is no *permission* to organize class at three [AM] at all.
Student: Afternoon.
Baba: At three in the afternoon? Yes, it is good to organize class for the mothers in the afternoon.
Student: It is for the mothers we are asking.
Baba: You did not say that you are asking about the [class for the] mothers.

समयः 59.02-01.00.03
जिज्ञासु: 2004 से 2014 तक ये जो 10 साल का पार्ट है 36 से 46 तक टैली होता है।
बाबा: ठीक है।
जिज्ञासु: 42 में जैसे सेवक्राम शरीर छोड दिए थे।
बाबा: सन् 36-37 से 47 तक।
जिज्ञासु: 42 में शरीर...
बाबा: 42 में शरीर छोड दिया।
जिज्ञासु: शरीर छोड दिया। अभी भी एसे ही देहभान से परे हो जायेंगे? (बाबा: ठीक है।) गुप्त हो जायेंगे? (बाबा: ठीक है।) और उसके बाद जैसे 47-48 में भारत पाकिस्तान का बटवारा होने के बाद जैसे डिसटरबेंस हुआ था। (बाबा: हाँ।) वैसा ही डिसटरबेंस आयेगा।
बाबा: डिसटरबेंस सबकुछ आयेगा लेकिन उसके बावजूद भी फिर स्थापना होगी। जैसे सन् 47 में हुई थी। एसे फिर संघठन तैयार होगा। पहले डूप्लिकेट संघठन बना था अभी सच्चाई का संघठन बनेगा।
Time: 59.02-01.00.03
Student: The part of 10 years from 2004 to 2014 tallies with the duration from 1936 to 1946.
Baba: Ok.
Student: Like Sevakram left his body in the year 1942...
Baba: From the year 36-37 to 47.
Student: He left his body in 42...
Baba: He left his body in 42.
Student: He left his body. Will he go beyond body consciousness now as well? (Baba: Ok.) He will become incognito? (Baba: Ok.) And the disturbance that took place after the partition of Bharat and Pakistan in 47-48... (Baba: yes.) … the same disturbance will arise ?
Baba: Disturbance, everything will come but in spite of that the establishment will take place again like it happened in the year 47. The gathering will be formed again. Earlier a *duplicate* gathering was formed and now a true gathering will be formed.

…………………………………………………………………………………………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info